Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301102**
Title of the Paper	**:**	**साहित्यशास्त्र: साहित्यदर्पण)Sāhityaśāstra: Sāhityadarpaṇa)**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, December-2024**
Type:	**:**	**CC**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए। 7x4 = 28

Explain the following:

i. शरदिन्दुसुन्दररुचिश्चेतसि सा मे गिरां देवी।
अपहृत्य तमः सन्ततमर्थानखिलान् प्रकाशयतु ॥

अथवा/OR

उत्कर्षहेतवः प्रोक्ता गुणालङ्काररीतयः।

ii. मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययान्योऽर्थः प्रतीयते।
रूढेः प्रयोजनाद्वाऽसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता ॥

अथवा/OR

वक्तृबोद्धव्यवाक्यानामन्यसंनिधिवाच्ययोः।
प्रस्तावदेशकालानां काकोश्चेटादिकस्य च ॥

iii. विभावेनानुभावेन व्यक्तः सञ्चारिणा तथा।
रसतामेति रत्यादिः स्थायी भावः सचेतसाम् ॥

अथवा/OR

परस्य न परस्येति ममेति न ममेति च।
तदास्वादे विभावादेः परिच्छेदो न विद्यते ॥

iv. वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमम्।

अथवा/OR

सूत्रधारस्य वाक्यं वा समादायार्थमस्य वा।
भवेत्पात्रप्रवेशश्चेत्कथोद्घातः स उच्यते ॥

2. अधोलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए जिनमें से **एक** का **संस्कृत** में होना **अनिवार्य** है। 5+5+5+7 = 22
Write short notes on the following, **one** of which must be in **Sanskrit**.

i.	काव्यप्रयोजनम्	**अथवा/OR**	काव्यदोषाः
ii.	पदम्	**अथवा/OR**	अभिधा
iii.	विभाव	**अथवा/OR**	अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यध्वनि
iv.	नान्दी	**अथवा/OR**	कैशिकीवृत्ति

3. मम्मटकृत काव्यलक्षण से विश्वनाथ कयों असहमत है, स्पष्ट कीजिए। 10
Explain why Vishwanath disagrees with Mammatkrit's poetic characteristics.

अथवा/OR

व्यञ्जना के सामान्य स्वरूप को स्पष्ट करते हुए शाब्दी व्यञ्जना पर सविशेष प्रकाश डालिए।
While clarifying the general nature of Vyanjana, throw special light on Shabdi Vyanjana.

4. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार गुणीभूतव्यङ्ग्य के सामान्य स्वरूप एवं उसके आठ मुख्य प्रकारों को स्पष्ट कीजिए इनमें से किन्हीं चार प्रकारों का स्पष्टीकरण साहित्यदर्पण के उदाहरणों से समर्थित होना चाहिए। **10**
According to Acharya Vishwanath, explain the general nature of Gunibhootavyangya and its eight main types, the explanation of any four of these types should be supported by the examples of *Sāhityadarpaṇa*.

अथवा/OR

साहित्यदर्पण के अर्थप्रकृति की विस्तृत विवेचना कीजिए।
Analyse the Arthaprakriti in detail according to the *Sāhityadarpaṇa*.